अखिल भारतीय तेरापंथ महिला मंडल

तत्त्वज्ञान (वर्ष : 2024) दिनांक : 18.12.2024

समय सीमा : 3 घंटा द्वितीय वर्ष : प्रथम प्रश्न पत्र पूर्णांक : 100

जैन तत्त्व प्रवेश (प्रथम खंड)–30

प्र. 1 किन्हीं तीन प्रश्नों के उत्तर लिखें– 15

(क) विस्तार द्वार के आधार पर निर्जरा, बंध व मोक्ष को समझाएं।

(ख) औपशमिक, क्षायिक व पारिणामिक भाव लिखें।

(ग) कर्म के उदाहरण लिखें।

(घ) द्रव्य-क्षेत्र-काल-भाव-गुण का अर्थ बताते हुए जीव, आश्रव, संवर व निर्जरा को समझाएं।

प्र. 2 किन्हीं पांच प्रश्नों के उत्तर लिखें– 15

(क) दृष्टांत द्वार के आधार पर आश्रव को समझाएं।

(ख) सावद्य-निरवद्य द्वार लिखें।

(ग) लोकालोक द्वार लिखें।

(घ) भाव किसे कहते हैं, वे कितने हैं, नाम लिखें व औदयिक भाव को समझाएं।

(ड़) द्रव्य, गुण व पर्याय का अर्थ समझाते हुए गुण के भेद-प्रभेद के नाम लिखें।

(च) कर्म द्वार (द्वितीय) के आधार पर ज्ञानावरणीय व नाम कर्म बंध के कारण लिखें।

प्रतिक्रमण–20

प्र. 3 किन्हीं तीन प्रश्नों के उत्तर लिखें– 15

(क) आलोचना सूत्र व प्रायश्चित्त सूत्र।

(ख) इर्यापथिक सूत्र व अभ्युत्थान सूत्र।

(ग) सूत्र सहित बारहवां व्रत व अतिचार लिखें।

(घ) बारह व्रतों के केवल सूत्र लिखें।

प्र. 4 किन्हीं पांच प्रश्नों के अति संक्षिप्त उत्तर लिखें– 5

(क) शक्र स्तुति करने की विधि लिखें।

(ख) अरति रति का क्या अर्थ है?

(ग) सम्यक्त्व के कितने भूषण हैं? नाम लिखें।

(घ) 'खात' शब्द का अर्थ लिखें।

(ड़) उपभोग परिभोग परिमाण व्रत के कितने अतिचार हैं?

(च) साधारण वनस्पतिकाय कितनी हैं?

(छ) ध्यान कितने अतिचारों का किया जाता है?

कर्म प्रकृति–25

प्र. 5 किन्हीं दो प्रश्नों के उत्तर लिखें– 9

(क) नामकर्म की परिभाषा लिखते हुए उसकी 42 उत्तर प्रकृति के नाम लिखें।

(ख) आयुष्य कर्म की परिभाषा, इसकी उत्तर प्रकृतियां, बंध के हेतु, स्थिति व गुणस्थान में अवस्थिति लिखें।

(ग) अंतराय कर्म किसे कहते हैं? इसकी उत्तर प्रकृतियों को समझाएं।

(घ) ज्ञानावरणीय कर्म की परिभाषा व भोगने के हेतु लिखें।

प्र. 6 किन्हीं चार प्रश्नों के उत्तर लिखें– 16

(क) कर्म के विपाकोदय में कार्यकारी चार निमित्त को समझाएं।

(ख) प्राण, भूत, जीव व सत्व किसे कहते हैं? तथा वेदनीय कर्म की स्थिति लिखें।

(ग) मोहनीय कर्म की गुणस्थानों में अवस्थिति लिखें।

(घ) चारित्र मोह कर्म के लक्षण व कार्य का यंत्र बनाएं।

(ड़) नो कषाय किसे कहते हैं? इसकी प्रकृतियां कितनी हैं? नाम लिखें।

गीतिका कर्मों की सज्झाय–10

प्र. 7 कोई दो पद्य अर्थ सहित लिखें– 8

(क) सती शिरोमणि.....कमाई रे।

(ख) इम अनेक.....महाराजा रे।

(ग) ईश्वर देव.....खावै रे।

(घ) कर्म.....पाणी रे।

प्र. 8 किन्हीं दो प्रश्नों के उत्तर संक्षेप में लिखें– 2

(क) सूर्य कितनी किरणों वाला होता है और चंद्रमा कितनी कलाओं वाला होता है?

(ख) सौतेली माता ने किसके साथ, क्या किया?

(ग) अटवी में पानी के बिना कौन व्याकुल हुआ?

(घ) इस गीतिका में कितने व कौन से चक्रवर्तियों के विषय में बताया गया है?

पूर्ण कंठस्थ ज्ञान–15

प्र. 9 किन्हीं चार प्रश्नों के उत्तर लिखें (प्रत्येक वर्ग से एक-एक करें)– 12

पच्चीस बोल–

(क) पांचवा बोल।

(ख) सतरहवां बोल।

पच्चीस बोल की चर्चा–

(क) जीव के नौ भेद किसमें व कौन-कौन से?

(ख) अठारह दंडक किसमें व कौन-कौन से?

पच्चीस बोल की चतुर्भंगी–

(क) ध्यान किस कर्म का उदय?

(ख) किस योग के जीव कम, किस योग के जीव अधिक?

तत्त्व चर्चा–

(क) धूप छांह छह में कौन नौ में कौन?

(ख) नौ तत्त्व में हेय कितने? उपादेय कितने? ज्ञेय कितने?

प्र. 10 कोई एक पद्य लिखें– 3

(क) तीर्थंकर..... जाण।

(ख) पोथा पाना.....भारी रे।